# महिलाओं की महत्वपूर्ण विश्लेषण

## धारावाहिक में मुखा :-

अगर इन में से धारावाहिकों की बात की जाए तो आज इसका वर्चस्व घर-घर और जन-जन तक है। टेलीविजन कार्यक्रमों के बीच इसका दबदबा है। टेलीविजन पर कई प्रकार के धारावाहिकों का प्रसारण होता है। उनमें पारिवारिक धारावाहिकों की लोकप्रियता का कोई जवाब ही नहीं।

आज महिलाओं ने इसको देखना खाना खाने की तरह जरूरी समझ लिया है। इन धारावाहिकों में मानवीयता के परे एक संस्पेंस और टकराव पैदा किया जाता है कि दर्शक न चाहते हुए भी उनको देखने पर मजबूर हो जाता है। टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले अधिकतर धारावाहिकों में मुख्य किरदार महिलाओं के ही होते हैं। छोटे पर्दे पर दिखाये जाने वाले ज्यादातर धारावाहिकों में महिलाएँ नई-नई कूटनीतिक चालें चलकर बड़े-बड़े घरानों को बर्बाद या आबाद करती नजर आती है। हद

से ज्यादा खुलापन और सामाजिक रिश्तों की मर्यादा से खिलवाड़ को तकरीबन हर सीरियल की कहानी का हिस्सा बनाया जाता है।

आजकल टी॰ वी॰ धारावाहिकों में दिखाये जाने वाले अधिकांश चरित्र परस्पर प्यार और सहयोग पर आधारित न होकर विवादोत्पर संबंध, साजिश आदि पर आधारित होते हैं। ऐसा लगता है कि इन धारावाहिकों में औरतों को सुबह से देर रात तक दूसरा कोई काम ही नहीं रहता है।

समाचार पत्रों में प्रकाशित सर्वेक्षणों के अनुसार भी इन धारावाहिकों के कारण अनेक महिलाएँ मानसिक अवसाद एवं हृदय रोग की शिकार हो रही हैं। टी॰ वी॰ चैनलों पर हर वक्त छाये रहने वाले इन धारावाहिकों में संस्कारों की बातें तो बहुत ही की जाती हैं। पर पात्रों की जीवन शैली और दिखाई जाने वाली घृणाओं को देखकर महसूस होता है कि इनके जरिए कुछ नई धारणाएँ, नए मूल्य गढ़े जा रहे हैं।

इन सीरियलों में महिला किरदारों का प्रजेंटेशन और साज-सज्जा का इतना व्यापक असर होता है कि बाजार

Date ___ / ___ / ______

में इन चीजों की माँग लगातार बनी रहती है। महिलाएँ विवाह के बाद संयुक्त परिवार में रहने और दूसरे सदस्यों के साथ साजिश रचने का तरीका यहीं से सीखते हैं।

इनसे घर में तनाव का महौल पैदा हो जाता है। घर में असंतोष का वातावरण हो जाता है। लेकिन दुःख इस बात का है कि परिवारों की परिपक्व गृहणियाँ इन धारावाहिकों की निंदा करने अथवा न देखने की बजाए इन्हें न केवल चाव से परिवार के बच्चों के समक्ष इनकी चर्चा कर बाद भी करती है।

Saathi

Date __/__/____

# वास्तविक टेलिविजन

वास्तविक टेलीविजन (रियलिटी टेलीविजन) टेलीविजन कार्यक्रमों में एक विधा है जिसमें अलिखित वास्तविक स्थितियों को नाटकीय या विनोदी (हास्य) घटनाओं के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

वास्तविक टेलीविजन के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव हैं :—

## सकारात्मक प्रभाव :—

- मनोरंजन पाने का एक माध्यम है। इस माध्यम से कुछ शिक्षा भी मिलती है।
- टेलीविजन विभिन्न आयु के बच्चों के लिए विज्ञापनी उत्पादों का एक प्रभावी तरीका है।
- अधिकांश वास्तविक टेलीविजन देखने वाली किशोर लड़कियाँ आत्मविश्वास, आउटगोइंग और आत्मविश्वास वाली हो गई है।

Page No.

Date __/__/____

- टेलीविजन के माध्यम से हम विश्व भर की सभी जानकारियाँ प्राप्त कर पाते हैं तथा इससे हमको कई प्रकार का ज्ञान भी मिलता है।
- सभी लोगों के लिए अंग्रेजी सीखना उतना आसान नहीं होता है। लेकिन बहुत सारे लोग टेलीविजन देख कर आसानी से अंग्रेजी सीख लेते हैं।

## नकारात्मक प्रभाव :-

- रियलीटि शो में दिखाई जाने वाली कहानियाँ और विषयवस्तु से आज के युवाओं के दिल और दिमाग पर गहरा असर पड़ रहा है।
- देर तक टेलीविजन देखने वाले बच्चों की एकाग्रताशक्ति क्षीण हो जाती है। वे अधिक समय तक किसी विषय या समस्या पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं रख पाते।
- टेलीविजन जरूरत से ज्यादा देखने पर

Page No.

Saathi

Date __/__/____

कई प्रकार के बुरे प्रभाव शरीर पर पड़ते हैं जैसे —
आँखों पर दबाव पड़ता है, और आँखे कमजोर हो जाते हैं, मस्तिष्क से जुड़ी बीमारियाँ होने का खतरा रहता है।

- कुछ ऐसे चैनल या शो, कुछ क्राइम से जुड़े शो या कुछ ऐसे विज्ञापन जो बच्चों के लिए बिलकुल सही नहीं है।

X